हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शनिवार, 10 मई 2025

11 मांगों को लेकर गरजे कर्मचारी नारेबाजी कर किया विरोध ...

12 सीबीएलयू के रिजल्ट में खामियों का आरोप ....

शिक्षा बोर्ड, स्वास्थ्य व अन्य विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर

भिवानी। सामान्य अस्पताल में लगाए गए बैड। (फाइल फोटो)

■ जरूरत पड़ी तो स्वास्थ्य विभाग आईएमए की भी सेवाएं लेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भारत-पाक के बीच टेंशन बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग भी अर्लट मोड पर है। कर्मचारी से लेकर अधिकारी तक तैयार रहने को कहा गया है। इनके साथ साथ स्वास्थ्य विभाग ने अतिरिक्त बैड तैयार रखे जाने के निर्देश दिए है। अगर जरूरत पड़ी तो स्वास्थ्य विभाग आईएमए की भी सेवाएं ले सकेंगे। चूंकि उनसे भी बातचीत चली है। इसी तरह शिक्षा बोर्ड के अलावा अन्य विभाग ने भी अपने कर्मचारियों को स्टेशन न छोड़ने के निर्देश दिए है। प्रशासन ने यह कदम ऐहतियात के तौर पर उठाया है। स्वास्थ्य विभाग ने यह कदम विभाग के महानिदेशक के निर्देशों के बावजूद उठाया है। इस बारे में भिवानी के सीएमओ डॉ. रघुबीर सिंह शांडिल्य ने पत्र जारी करके सभी कर्मचारी व अधिकारियों को स्टेशन न छोड़ने के निर्देश दिए है।

चिकित्सकों ने बैडों की संख्या व स्थिति जानी

स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक के निर्देशों के बावजूद स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी सरकारी अस्पतालों व निजी अस्पतालों के बैंडों की स्थिति व संख्या जानी। सभी बैडों को तैयार रखे जाने की कही। यहां यह बताते चले कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में करीब 6 सौ तथा निजी अस्पतालों में 1185 बैड है। जिन पर सभी आपातकालीन की सुविधाएं उपलब्ध है। इस बारे में सीएमओ डॉ. रघुबीर सिंह शांडिल्य ने बताया कि आपातकालीन से निपटने की उनकी तैयारी पूरी है। सभी चिकित्सकों के अलावा कर्मचारियों को स्टेशन न छोड़ने के निर्देश दिए है। साथ ही सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों के सभी बैडों को तैयार रखे जाने के निर्देश दिए है। इनके अलावा निजी अस्पतालों के संचालकों को भी जरूरत पड़ने पर बुलाया जाएगा। इसके लिए आईएमए से सहमति ली जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही आईएमए की तरफ से उनको सहमति मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि जो आंकड़े निजी व सरकारी अस्पतालों से एकत्रित किए गए है। उनको विभाग के मुख्यालय पर शेयर किया गया है। ताकि जरूरत पड़ने पर उनका प्रयोग किया जा सके।

भिवानी। जागरूकता के लिए गांवों में सायरन लगवाने को लेकर दिशा निर्देश देते उपायुक्त। फोटो: हरिभूमि

लोगों की जागरूकता के लिए गांवों में स्थापित किए जा रहे हैं सायरन

■ नागरिकों को किसी भी प्रकार से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच फिलहाल बनी स्थिति के मद्देनजर सरकार के निर्देशानुसार लोगों की जागरूकता के लिए जिला के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए जा रहे हैं। जिलावासियों को किसी भी प्रकार से गंभराने व भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। उपायुक्त कौशिक शुक्रवार को अपने कैंप कार्यालय में अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन का आपदा प्रबंधन टीमों के साथ निरंतर संपर्क में है। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा पुलिस के साथ-साथ होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, रेडक्रॉस के वॉलंटियर की सूची तैयार की गई है। इसके साथ-साथ पूर्व सैनिकों का भी डाटा मांगा गया है ताकि जरूरत के समय उनकी सेवाएं ली जा सकें। डीसी ने बताया कि नागरिकों की जागरूकता के लिए जिला के सभी गांवों और शहरी क्षेत्र में सायरन स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भिवानी शहर में लघु सचिवालय पर सायरन स्थापित कर दिया गया है। इसके अलावा शहर के बीचों-बीच स्थित सिटी थाना भवन पर भी सायरन स्थापित करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 312 गांवों में सायरन स्थापित करवाए जा रहे हैं। अधिकांश गांव में सायरन स्थापित किए जा चुके हैं।

भिवानी। भारतीय सेना के पाक पर किए गए जवाबी हमले का समर्थन करते मुस्लिम समुदाय के लोग। फोटो: हरिभूमि

पाकिस्तान पर किए जवाबी हमले का मुस्लिम समुदाय ने किया समर्थन

■ पाकिस्तान को उसी की भाषा में समझाने का है समय : जोरावर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

बीते 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा वहां के पर्यटकों की हत्या का बदला लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान पर किए गए जवाबी हमले का भिवानी के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने इसे देश का आतंकवादी विरोधी बड़ा कदम बताया है। मस्जिद कमेटी प्रधान जोरावर अली ने कहा कि पाकिस्तान बार-बार भारत में आतंकवादी गतिविधि को बढ़ावा देकर डर का माहौल पैदा करना चाहता है, जिसका हर बार भारत देश ने मुंहतोड़ जवाब दिया है तथा अबकी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने इस आतंकवादी गतिविधि का बदला लेते हुए पाकिस्तान को बता दिया है कि अब देश में आतंकवादी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के इस जाबांजी कदम का मुस्लिम समुदाय के लोग समर्थन करते है तथा भारतीय सेना के लिए कुशल व हिफाजत के लिए दुआएं करते है। उन्होंने प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का भी आभार जताया तथा कहा कि पाकिस्तान को उसी की भाषा में समझाने का यह सही वक्त है। इस अवसर पर हफीजुल्लाह, हनीफ अली, अब्दुल सत्तार, ताजुद्दीन, तैयब हुसैन, नसीरुद्दीन, नसीब खान, सुमित खान, यासीन खान, मुनीर खान आदि मौजूद रहे

सायरन बजते ही लाइटें बंद करें

■ ब्लैक आऊट का सायरन बजते ही नियमों का पालन बेहद जरूरी : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम

एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सेना निर्णायक कार्रवाई कर रही है। इस दौर में हर नागरिक की भूमिका बेहद अहम है। इसके लिए हमें एकजुट, सतर्क और संयमित रहना होगा। एसडीएम ने कहा कि उपमंडल में प्रत्येक नागरिक को सरकार, सेना और सुरक्षा एजेंसियों पर भरोसा रखते हुए कुछ बातों का सख्ती से पालन करना है। इनमें मुख्य रूप से ब्लैकआउट के नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि ब्लैक आउट का सायरन बजते ही नियमों का सख्ती से पालन करें। घर की लाइटें बंद कर दें। किसी भी तरह की रोशनी करने से बचें।

वाहन में हैं तो तुरंत लाइट बंद कर साइड में रोक लें। दूसरे लोगों को भी नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करें। एसडीएम डॉ. अशवीर सिंह नैन ने कहा कि पाकिस्तान से जुड़े साइबर अपराधी एक्सक्लूसिव फुटेज, ब्रेकिंग न्यूज या स्पेशल वीडियो के नाम पर फिशिंग लिंक भेज सकते हैं। अनजान स्रोत से आए हुए लिंक, वेबसाइट या ईमेल पर क्लिक न करें। ये आपके फोन और डेटा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कुछ भी संदिग्ध दिखे तो इसकी जानकारी प्रशासन और पुलिस को तुरंत दें।

आज लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत स्थगित

भिवानी। 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और सुरक्षा के चलते आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पवन कुमार ने ये जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को आयोजित की जानी थी, लेकिन यह राष्ट्रीय लोक अदालत अब आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है।

शांति और सद्भावना का संदेश देती है गीता

अब प्रत्येक भारतीय को अर्जुन बनना होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

अपने धार्मिक एवं आध्यात्मिक दौरे के तहत गीता मनीषी ज्ञानानंद ने भिवानी के रोहतक गेट स्थित बजरंगबली कॉलोनी में गीता संदेश कार्यक्रम में भाग लिया और इस दौरान उन्होंने गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता हमें शांति और सद्भावना का संदेश देती है और गीता के माध्यम से व्यक्ति अपने आप को कल्याण के मार्ग की तरफ ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि गीता मोक्ष दायनी है । हमें गीता का अनुसरण करना चाहिए ।

वहीं वर्तमान में जो देश के अंदर परिस्थितिया बनी हुई हैं, भारत और पाकिस्तान की सीमा पर जो तनाव बना हुआ है। गोलाबारी और मिसाइल चल रही है । इस पर गीता मनीषी ज्ञानानंद ने कहा कि गीता के अंदर शांति और सद्भावना का संदेश है। उन्होंने कहा कि गीता में कहा गया गया है कि अर्जुन अपने कर्तव्य से पीछे हट जाता है ,उस समय उसका कर्तव्य राष्ट्रीय स्वाभिमान व अपनी परंपराओं के सम्मान की रक्षा का होता है तो भगवान श्री कृष्ण भी कहते हैं कि तस्मात युद्धस्थ भारत , हे अर्जुन उठ जाग और अपने कर्तव्य के लिए खड़ा हो।

आज कि विकट परिस्थितियों को देखते हुए सभी को अर्जुन बनने की जरूरत है। गीता मनीषी ज्ञानानंद ने कहा कि इस समय लगता है कि राष्ट्र के समक्ष बड़ी चुनौतियां हैं , उसका प्रत्येक भारतवासी को मिलकर एक होकर एकता के साथ ही आत्मविश्वास और मजबूती से सामना करना होगा।

भिवानी। लोगों के साथ बातचीत करते गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज।

गीता के उपदेशों को जीवन में उतारें

भगवान नरसिंह के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में युवा जागृति एवं जन कल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में चार दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार से किया गया। ज्ञानानंद महाराज ने उपस्थित सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में गीता के उपदेशों को अपाते हुए धर्म एवं राष्ट्र के उहित में कार्य करें। गीता के उपदेश हमे संदेश देते है कि हमें स्वार्थ की भावना को छोडकर धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए।

पृथ्वी पर 60,000 से अधिक ज्ञात वृक्ष प्रजातियां हैं।

अफ्रीका के सूखे मैदानों में पाए जाने वाले मोजावे रेगिस्तान के हॉजक्विन पेड़ को 'चलने वाला पेड़' कहा जाता है।

कैट परीक्षा पास कर जुड़ सकते हैं कॉर्पोरेट जगत से

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

आईआईएम और देश के अन्य सभी अच्छे बी-स्कूल के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले एमबीए और पीजीपी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा ली जाती है जिसे कैट कहा जाता है। प्रतिवर्ष लाखों छात्र स्नातक पास करते है। इनमें से बहुत से छात्रों का सपना होता है कि वे कॉर्पोरेट जगत के साथ जुड़कर अपना कॅरियर सेट करें और बड़े पदों पर नियुक्त होकर खूब पैसा कमाएं। इस सपने को पूरा करने के लिए मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) एक शानदार विकल्प है।

लाखों अभ्यार्थी देते परीक्षा

एम.बी.ए. कोर्स कई संस्थानों में उपलब्ध है मगर भारत में आई.आई.एम. की तरफ आयोजित कैट परीक्षा को सबसे अधिक अहम माना जाता है। कैट की परीक्षा में हर साल लाखों अभ्यर्थी हिस्सा लेते है, इसलिए छात्रों के लिए परीक्षा पास करना सरल नहीं होता है। परीक्षा पास करने के लिए छात्रों को निरंतर तैयारी करनी होती है। आईआईएम के अतिरिक्त कुछ ऐसे कॉलेज है जो कैट स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को एडमिशन देते हैं जिनकी सूची इस प्रकार है।

- एस. पी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- मैनेजमेंट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट
- इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी
- जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज
- इंटरनेशनल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग

आवेदन शुल्क

अगर परीक्षा पैटर्न के बारे में बात करें तो प्रश्न पत्र में कुल छात्र सवाल आते हैं और इस प्रश्न पत्र को हल करने के लिए उम्मीदवारों को 2 घंटे का समय दिया जाता है। यदि इसकी वैलिडिटी की बात करें तो कैट स्कोर एक साल के लिए वैध रहता है। यह परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में आयोजित की जाती है। कैट परीक्षा के लिए योग्यता की बात करें तो हिस्सा लेने वाले उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से न्यूनतम 50% अंक के साथ स्नातक पास होने चाहिए (एससी, एसटी और दिव्यांग के लिए यह 45%) तय किया गया है। जो छात्र ग्रेजुएशन के फाइनल ईयर में है वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर इस परीक्षा में निर्धारित किए गए आवेदन शुल्क की बात करें तो सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए आवेदन शुल्क दो हजार तय किया गया है वहीं एससी, एसटी और दिव्यांग विद्यार्थियों को आवेदन शुल्क के रूप में 1,150 रुपये देने होते हैं।

एग्जाम के लिए योग्यता

- आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए।
- आवेदक भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त कॉलेज/यूनिवर्सिटी से किसी भी स्ट्रीम में 50 % अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि आवेदक एससी एसटी पीडब्ल्यूडी श्रेणी से है तो उनके लिए आरक्षण के तहत अंकों में 5% की छूट दी गई है। ऐसे में ये सभी छात्र 45% अंकों के साथ स्नातक पास हो।
- यदि कोई अभ्यर्थी अपने स्नातक के फाइनल ईयर में है तो वह भी कैट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि अभ्यर्थी विदेशी नागरिक हैं तो वह पीआईओ या एनआरआई श्रेणी के तहत कैट एग्जाम के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- कैट परीक्षा के लिए कोई भी आयु सीमा तय नहीं की गई है यानी कि किसी भी उम्र का व्यक्ति कैट परीक्षा दें सकता है।
- परीक्षा कितनी बार एटेम्पट की जा सकती है इस पर भी कोई बाध्यता नहीं है। कोई भी छात्र जितनी बार चाहे यह परीक्षा दें सकता है।

परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन

- कैट एग्जाम के रजिस्ट्रेशन के लिए आपको सबसे पहले कैट एग्जाम की वेबसाइट https://iimcat.ac.in/ पर जाना होगा।
- वेबसाइट पर आने के बाद आपको दिए गए रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करना होगा।
- रजिस्टर के लिंक पर क्लिक करने के बाद आपके सामने आवेदन फॉर्म खुल जाएगा।
- फॉर्म खुल जाने के बाद आपको इसमें सभी जरूरी जानकरियों को दर्ज करना होगा।
- जानकरी सावधानीपूर्वक भरने के बाद आपको सभी आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड करना होगा।
- डॉक्यूमेंट अपलोड हो जाने के बाद आपको रजिस्ट्रेशन शुल्क की ऑनलाइन पेमेंट करनी होगी।
- आप फीस का भुगतान नेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/यूपीआई आदि के माध्यम से कर पाएंगे।
- फीस का भुगतान करने के बाद आपको फॉर्म का प्रीव्यू कर सबमिट के बटन पर क्लिक करना होगा।
- जैसी ही आप सब्मिट के बटन पर क्लिक करेंगे आपका फॉर्म ऑनलाइन जमा हो जायेगा।
- इस प्रकार आप ऑनलाइन माध्यम से कैट एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

भारत में सदियों से चली आ रही आभूषण बनाने और डिजाइन करने की कला

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

ज्वेलरी डिजाइनिंग आभूषणों को डिजाइन करने और बनाने की कला है। महिलाओं और पुरुषों द्वारा ज्वेलरी पहनने का प्रचलन मेसोपोटामिया और मिस्र की कम से कम 7,000 साल पुरानी सभ्यता से है। ज्वेलरी डिजाइनिंग के पारंपरिक विधि हाथ से चित्रकारी और ड्राफ्टिंग आज भी आभूषणों को डिजाइन करने में उपयोग में लिए जाते हैं। हालाँकि वर्तमान में ज्वेलरी डिजाइनिंग के तरीके काफ़ी बदल गए हैं। भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है। आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालाँकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण बन गए हैं। इन आभूषणों को बनाने का तरीका ही ज्वेलरी डिजाइनिंग कहलाता है। 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी

क्यों करें ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स

- ज्वेलरी डिज़ाइन में छात्रों को ज्वैलरी क्रिएशन और डिज़ाइनिंग और ज्वैलरी डिज़ाइनिंग में महत्वपूर्ण सभी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स में मेटलर्जी, आभूषण डिज़ाइनिंग, डायमंड ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सीएडी , पोर्टफोलियो डेवलपमेंट, जेमोलॉजी, बीडिंग आर्ट आदि विषयों और विषयों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।
- ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स पूरा करने के बाद, किसी ब्रांड या कंपनी में नौकरी करने के बजाय, कोई भी अपना खुद का एक ब्रांड लॉन्च करके उद्यमिता शुरू कर सकता है, जिसमें उनकी खुद की ज्वेलरी डिज़ाइनिंग होगी।
- ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स ज्वेलरी डिज़ाइन उद्योग जैसे उत्पाद विकास, ग्राफिक डिज़ाइन, मार्किट रिसर्च, रचनात्मकता आदि में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए नए कौशल सीखने में मदद करता है।
- ग्लासडोर के एक सर्वे के अनुसार, भारत में करियर के शुरुआती वर्षों में एक ज्वैलरी डिज़ाइनर की औसत कमाई 4-5 लाख प्रति वर्ष है।

गहनों को माना जाता है पवित्र और कीमती

ये करना होगा

ये स्किल्स चाहिए

- एडोब क्रिएटिव सूट
- ग्राफ़िक डिज़ाइन
- नेकलेस
- इंजीनियरिंग ड्राइंग
- खुदरा बिक्री
- सीएडी
- उत्पादन रूप
- कला शो
- डिज़ाइन प्रक्रिया
- उत्पाद विकास
- राइनो
- रुझान अनुसंधान
- बाजार अनुसंधान
- व्यापार की शो

ज्वेलरी डिजाइनिंग के विषय

डिजाइन की नींव, डिजाइन के तत्व, कंप्यूटर एडेड डिजाइन, व्यापारिक और विपणन विचार, डिजाइन के लिए उपकरण, डिजाइन के तरीके, डिजिटल प्रतिनिधित्व, गहनों का इतिहास, डिजाइन का विज्ञापन, रत्न विज्ञान और रत्नों की स्थापना।

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें।
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा।
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं।
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें।
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें।
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें। प्रवेश परीक्षा के अंको के

स्टेप बाय स्टेप गाइड

स्टेप 1- इसके लिए पहला कदम है 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करनी होगी।

स्टेप 2- बेहतर ज्वेलरी डिजाइनर बनने के लिए आपको डिजाइनिंग को बारीकी से समझना होगा, इसलिए ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए पहले प्रवेश परीक्षा को उत्तीर्ण करना होगा। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय लेवल और राज्य लेवल दोनों स्तर पर कराए जाते हैं।

स्टेप 3- प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आपकी रैंक के अनुसार कॉलेज में एडमिशन मिलेगा। एडमिशन पक्का करने के लिए आपको कॉलेज द्वारा काउंसलिंग के लिए बुलाया जाएगा।

स्टेप 4- डिजाइनिंग को और डिटेल में जानने के लिए आप इसमें मास्टर्स डिग्री भी कर सकते हैं। विदेश में मास्टर्स करने के लिए आपको जीमैट /जीआरई जैसी परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी।

स्टेप 5- ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद आपको इंटर्नशिप करनी होगी ताकि आप डिजाइनिंग की प्रैक्टिकल नॉलेज प्राप्त कर सकें।

टॉप विदेशी यूनिवर्सिटीज

- नोवा स्कोटिया कॉलेज ऑफ़ आर्ट एंड डिज़ाइन (एनएससीएडी) यूनिवर्सिटी
- कला विश्वविद्यालय, लंदन
- बर्मिंघम सिटी यूनिवर्सिटी
- हर्टफोर्डशायर विश्वविद्यालय
- इंग्लैंड के पश्चिम विश्वविद्यालय
- रॉबर्ट गॉर्डन विश्वविद्यालय
- ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय
- एनएससीएडी विश्वविद्यालय
- क्रिएटिव आर्ट्स के लिए विश्वविद्यालय
- अल्स्टर यूनिवर्सिटी
- लासाल कॉलेज

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान- नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया- मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान- मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन- दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी- बैंगलोर, डिजाइन कॉलेज

योग्यता

- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा या बैचलर्स कोर्स करना चाहते है तो आपको 10+2 न्यूनतम 50% के साथ उत्तीर्ण करना होगा।
- ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए आपको कुछ प्रवेश परीक्षाओं को उत्तीर्ण करना होगा।
- यदि आप ज्वेलरी डिजाइनिंग में मास्टर कोर्स करना चाहते हैं तो बैचलर्स डिग्री का होना आवश्यक है। विदेश में पढ़ाई करने के लिए आपको जीमैट/जीआरई परीक्षा में अच्छा अंक प्राप्त करने होंगे।
- विदेश में ज्वेलरी डिजाइनिंग की पढ़ाई करने के लिए आपको इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट जैसे-आईईएलटीएस/टीओईएफएल आदि कोर्स पहले से करके तैयार रखने हैं।

टॉप जॉब प्रोफाइल

ज्वेलरी डिजाइनर, ज्वेलरी मरचेंड़ाइजर, एगजीबीशन मैनेजर, प्रोडक्शन मेनेजर, कास्टिंग मेनेजर, लेक्चरार, राइटर एंड ड्राफ्टर, म्यूजियम एंड आर्ट गैलरी मैनेजर, फ़ैशन कंसल्टेंट, ज्वेलरी हिस्टोरीयन, ग्रेडिंग एड्वाइजर, रत्न अपरेजर, ज्वेलरी डिजाइन सेल्फ बिजनेस, ज्वेलरी सेंटर।

हर छात्र को अपने जीवन में ऑपरेशन सिंदूर से लेनी चाहिए जरूरी सीख

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारतीय सेना हमारे देश का गौरव और शक्ति का प्रतीक है। उनके साहस, समर्पण और बलिदान की कहानियां हमें न केवल प्रेरित करती हैं, बल्कि यह भी सिखाती हैं कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा क्या होता है। आपने सुना होगा कि "हम सुरक्षित हैं, क्योंकि वे सीमा पर लड़ रहे हैं।" यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि एक ऐसी सच्चाई है, जो हर भारतीय के दिल में गर्व और कृतज्ञता जगाती है। हाल ही में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से यह साबित किया कि कोई भी भारतीय महिला का आंसू व्यर्थ नहीं जाएगा। इस ऑपरेशन का नाम और इसकी भावना उन महिलाओं को समर्पित है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। आइए, इस ऑपरेशन से प्रेरणा लें और समझें कि कैसे हम अपने जीवन में उनके गुणों को अपनाकर देश के लिए गर्व का कारण बन सकते हैं।

सीमा पर उनकी वीरता, हमारे लिए शांति

जब आप अपने स्कूल में पढ़ रहे होते हैं, दोस्तों के साथ हंसते-खेलते हैं या अपने परिवार के साथ समय बिता रहे होते हैं, उस समय भारतीय सेना के जवान बर्फीली चोटियों, रेगिस्तान की गर्मी या जंगलों की कठिन परिस्थितियों में देश की रक्षा कर रहे होते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने केवल 25 मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिसमें 70 से अधिक आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई इतनी सटीक थी कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया, जिससे भारत की संयमित और जिम्मेदार छवि दुनिया के सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर हमें सिखाता है कि मुश्किल हालातों में भी धैर्य, अनुशासन और एकजुटता से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। जब आप पढ़ाई में किसी जटिल विषय से जूझ रहे हों, किसी असाइनमेंट में असफल हों या अपने सपनों को पूरा करने में रुकावटें आएं, तो भारतीय सेना के जवानों की वीरता को याद करें। उनकी तरह आपको भी हार नहीं माननी है। ऑपरेशन सिंदूर से हमें कुछ महत्वपूर्ण सबक मिलते हैं। सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सावधानीपूर्वक योजना और सटीकता के साथ अंजाम दिया। आप भी अपनी पढ़ाई और लक्ष्यों के लिए एक योजना बनाएं और उसे पूरी मेहनत से लागू करें। टीम वर्क की ताकत: ऑपरेशन सिंदूर में सेना, नौसेना और वायुसेना ने मिलकर काम किया।

धैर्य और अनुशासन

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने संयम और अनुशासन के साथ कार्रवाई की। आप भी अपने जीवन में अनुशासन लाएं, समय का पालन करें और धैर्य के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ें।

छात्र यात्रा में सेना की प्रेरणा : कई बार स्कूलों में छात्रों को सेना के कैंप या शैक्षिक यात्राओं पर ले जाया जाता है। वहां आपने देखा होगा कि जवान कितने अनुशासित, शांत और आत्मविश्वासी होते हैं। उनकी कहानियां और उनके मिशन, जैसे ऑपरेशन सिंदूर, हमें बताते हैं कि जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इस ऑपरेशन ने न केवल आतंकी ठिकानों को नष्ट किया, बल्कि उन परिवारों को न्याय दिलाया, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया। प्रियदर्शिनी सत्पथी, जिनके पति प्रशांत सत्पथी पहलगाम हमले में शहीद हुए, ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर का नाम प्रतीकात्मक है आतंकी हमले ने मासूम महिलाओं के माथे से पवित्र सिंदूर छीन लिया। जब आप अपनी पढ़ाई में मेहनत करते हैं, तो यह सोचें कि आपकी सफलता आपके देश को मजबूत बनाएगी। चाहे आप डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या कुछ और बनें, अगर आप अपने काम को पूरी लगन और ईमानदारी से करेंगे, तो आप भी अपने देश के लिए एक सैनिक की तरह योगदान देंगे।

सामान्य ज्ञान

1. ऋग्वेद में सबसे पवित्र नदी किसे माना गया है?
(ए) सिन्धु
(बी) सरस्वती
(सी) परुष्णी
(डी) शतुद्रि

2. वैदिक समाज की आधारभूत इकाई थी
(ए) कुल / कुटुम्ब
(बी) ग्राम
(सी) विश
(डी) जन

3. ऋग्वैदिक काल के उस सबसे प्रधान देवता की पहचान करें, जिसकी स्तुति में 250 सूक्तों की रचना की गयी थी
(ए) इन्द्र
(बी) अग्नि
(सी) वरुण
(डी) सूर्य

4. किस वेद में सभा को 'नरिष्ट' अर्थात सामूहिक वाद-विवाद या अनुल्लंघनीय कहा गया है?
(ए) ऋग्वेद
(बी) यजुर्वेद
(सी) सामवेद
(डी) अथर्ववेद

5. किस रचना में नारी को सुरा और पांसा के साथ तीन प्रमुख बुराइयों में शामिल किया गया है?
(ए) मैत्रायणी संहिता
(बी) जावाल उपनिषद्
(सी) शतपथ ब्राह्मण
(डी) छांदोग्य उपनिषद्

6. उत्तर-वैदिक काल में किस देवता को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था?
(ए) प्रजापति
(बी) इन्द्र
(सी) विष्णु
(डी) रुद्र

7. संस्कारों की कुल संख्या कितनी है?
(ए) 14
(बी) 15
(सी) 16
(डी) 18

8. तीन ऋण में शामिल नहीं है
(ए) देव ऋण
(बी) पितृ ऋण
(सी) ऋषि ऋण
(डी) मातृ ऋण

9. ऋग्वैदिक काल से संबंधित मृदभांड संस्कृति है
(ए) गेरुवर्णी मृदभांड (**OCP**) संस्कृति
(बी) चित्रित धूसर मृदभांड (**PGW**) संस्कृति
(सी) **a** और **b** दोनों
(डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(डी) 5.(ए) 6.(ए) 7.(सी) 8.(डी) 9.(ए)

खबर संक्षेप

अफसर आगामी आदेशों तक न छोड़ें स्टेशनः डीसी

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि हरियाणा सरकार ने निर्देश दिए हैं कि विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों, उपक्रमों और विश्वविद्यालयों आदि के अधिकारी-कर्मचारी अपना मुख्यालय या स्टेशन राज्य के अंदर कायम करें। इसके अलावा, कोई भी कर्मचारी आगामी आदेशों तक अपना मुख्यालय या स्टेशन न छोड़े। मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा इस आशय के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशों के अनुसार जिला के अधिकारियों और कर्मचारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं और उन्हें कहा गया है कि अपना मोबाइल खुला रखें।

हड़ताल में भाग लेंगें वन कर्मचारी : करौंथा

भिवानी। विभागों के निजीकरण, ठेका प्रथा, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, पुरानी पेंशन प्रणाली लागू करने, एचकेआरएन समाप्त हो व हटाए गए कर्मचारियों की बहाली, प्रदेश का अलग वेतन आयोग गठित करने, 8वें केन्द्रीय वेतन आयोग का गठन, खाली पदो पर स्थाई भर्ती आदि मांगों को लेकर प्रदेश के वन कर्मचारी भी 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेगें। संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में वन कर्मचारी संघ हरियाणा के मुख्य सलाहकार जोगेन्द्र करौंथा, महासचिव विक्रांत, सचिव अमित बुमराह, प्रेस सचिव आनन्द शर्मा ने कहा कि निजीकरण की नीतियों के कारण सघन वन क्षेत्र को विदेशी निवेशकों व पर्यटन के नाम पर सिकोड़ा जा रहा है।

नवनियुक्त प्रधान ने ग्रहण किया पदभार

भिवानी। श्री हरियाणा शेखावाटी ब्रह्मचारी आश्रम के नवनियुक्त प्रधान भूपेंद्र भारद्वाज ने शुक्रवार को ट्रस्ट समिति सदस्यों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों के साथ पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने बताया की पंडित सीताराम शास्त्री द्वारा बनाए गए इस वट वृक्ष को हम पूरे समाज के साथ मिलकर बहुत ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे। इस अवसर पर धामाण ब्राह्मण समाज 12 के अध्यक्ष सुरेश शर्मा, कर्मवीर शर्मा विजय खरकिया, रामोतार नोरंगाबाद, अरविन्द बामला, बिट्टू खरकिया, बजरंग लाल सुरेश शर्मा सचिव, देवानंद रबला,दीपू शर्मा जेपी कौशिक विनोद उमरावत राजा शर्मा बारू कौशिक आदि मौजूद रहे।

20 की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे बोर्ड के कर्मचारी : स्वामी

मांगों को लेकर गरजे कर्मचारी नारेबाजी कर किया विरोध प्रदर्शन

बैठक की अध्यक्षता प्रधान सत्यवीर स्वामी ने की तथा मंच का संचालन महासचिव सोमवीर सिंह पुनिया ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। मांगों को लेकर नारेबाजी करते शिक्षा बोर्ड कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन-1016 संबंद्ध सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को स्थानीय हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड कैंपस में स्थित संगठन कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रधान सत्यवीर स्वामी ने की तथा मंच का संचालन महासचिव सोमवीर सिंह पुनिया ने किया। कार्यकारिणी की बैठक में सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर 20 मई को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बोर्ड कर्मचारियों की सहभागिता पर चर्चा की गई। इसके अलावा बोर्ड संस्था के भविष्य को लेकर भी विभिन्न मुद्दों पर गहनता से विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान मुख्य तौर पर हरियाणा बोर्ड से संबंद्धता प्राप्त विभिन्न राजकीय विद्यालयों को केंद्र सरकार द्वारा मॉडल संस्कृति स्कूल व पीएम श्री योजनाओं के नाम सीबीएसई बोर्ड से संबंद्धता दिए जाने पर संगठन के सभी पदाधिकारियों ने विरोध व्यक्त किया। इसको लेकर प्रधान ने बताया कि यह मुद्दा राष्ट्रव्यापी हड़ताल में काफी जोर-शोर से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस मुद्दे को लेकर अपना रूख नहीं बदलती है तो हड़ताल की चिंगारी एक बड़े आंदोलन में तबदील होगी, जिसकी पूर्ण रूप से जिम्मेवारी केंद्र व राज्य सरकार की होगी। बैठक में फैसला लिया गया कि बोर्ड के सभी कर्मचारी इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होंगे। इस दौरान वरिष्ठ उपप्रधान देवेंद्र सिंह, जोगेंद्र, भारतदीप, अशोक लांबा, अंजुबाला, संदीप कुमार, अनुप खेदड़, अरूण कुमार व कुलदीप सहित संगठन के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

भिवानी। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

20 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में गरजेंगे बिजली कर्मचारी : लोकेश

भिवानी। ऑल हरियाणा पॉवर कारपोरेशन वर्कर्स यूनियन की मीटिंग तोशाम बिजली प्रांगण में हुई। मीटिंग की अध्यक्षता सब यूनिट-एक प्रधान समयपाल व यूनिट-2 के प्रधान रामलाल ने किया। मंच का संचालन विकास नैन ने किया। मीटिंग में भारत के पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बारे में चिंता जताई और इसमें जो जान-माल की हानि हुई, इसके लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मीटिंग में बतौर वक्ता के रूप में सर्कल सचिव अशोक गोयत व राज्य सचिव लोकेश ने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्षरत्त है, जिनमें कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, पुरानी पेंशन बहाल करना, समान काम-समान वेतन लागू करना, ठेका प्रथा बंद करना, एचकेआरएन को भंग करना आदि मांगें है। लेकिन सरकार उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि इसी रोष स्वरूप कर्मचारियों ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भाग लेने का मन बनाया है तथा वे इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल में सरकार को कर्मचारियों की एकता व ताकत दिखाएंगे। इस मौके पर यूनिट प्रधान रविंद्र यादव ने देश की तत्काली परिस्थितियों पर चर्चा की। इस अवसर पर कमल पंघाल, नरेश सैनी, बलदेव जेई, राजेश जेई, राजेश पहलवान, राजेश ढुल्हेड़ी, अभय यूडीसी, राजबीर, मोनू तंवर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा में सड़क पर लगाए गए बेरिकेटस।

हांसी चुंगी से लेकर नागरिक अस्पताल तक बनेगी सड़क

- हालिया अंदरूनी मार्ग से वाहनों की आवाजाही शुरू, एक्सीडेंट होने का बना खतरा

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में हांसी चुंगी से लेकर वाया सामान्य बस स्टैंड होते हुए नागरिक अस्पताल तक रोड बनाया जाएगा जिसके लिए हांसी चुंगी व नागरिक अस्पताल के पास बालू रेत डालकर बेरिगेट्स लगा दिए गए हैं। इसे अलावा सूचक बोर्ड भी लगाए गए हैं कि ''हांसी जाना है तो सीधे जाएं और भिवानी जाना है तो सीधे जाएं। इसके अलावा कंपनी के द्वारा दोनों तरफ मार्ग पर बेरिगेटस के पास अपने कर्मचारी भी जागरूक करने के लिए बिठाए हुए हैं। इसलिए वाहन बाइपास न जाकर अंदरूनी मार्ग से निकल रहे हैं। शहरवासियों ने इस विकास कार्य का श्रेय विधायक कपूर वाल्मीकि व भाजपा सरकार को दिया।

बवानी खेड़ा का अंदरूनी मार्ग भीड़-भाड़ क्षेत्र वाला है। हांसी चुंगी से नागरिक अस्पताल तक इस मार्ग में मुख्य बाजार, सब्जी-रेहडियां, रिहायशी इलाका आता है लेकिन वाहनों के स्पीड से चलने से हादसा होने का भय बना हुआ है। हालांकि पहले भी इस मार्ग को लेकर समय समय पर मांग उठी की रेहड़ चालकों व सब्जीधारकों के लिए स्थाना मुकर्रर हो लेकिन ये समस्या जस की तस बनी हुई है ।

सतर्क रहें

एक तरफ जहां बाइपास मार्ग बनने से शहर की व्यवस्था सुधरेगी वहीं बवानी खेड़ा के अंदरूनी मार्ग पर भारी भरकम वाहनो, बसों आदि वाहनों की स्पीड से हादसों का भय सताने लगा है। लोगों की मानें तो इस मामले को लेकर प्रशासन को भी स्तर्क रहने की जरूरत है।

शहर का होगा विकास

हलका विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि इस मार्ग निर्माण से विकास कार्य तेज होगा और शहर का सौंदर्यीकरण होगा। वहीं उन्होंने वाहनों के स्पीड पर भी नियंत्रण रखने बारे बताया कि प्रशासन इस पर पूरी नजर रखेगा। सभी को सहयोग करने की जरूरत है।

ट्राई व्हीलर साइकिल व 14 सीपी व्हील चेयर वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

- दिव्यांग बच्चों का ऐडस एण्ड अप्लायंसेज वितरण कैंप आयोजित

भिवानी स्थित जिला परियोजना संयोजक कार्यालय में दिव्यांग बच्चों का ऐडस एण्ड अप्लायंसेज वितरण कैंप आयोजित किया गया। कैंप जिला परियोजना संयोजक विनय कुमार जिंदल के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कैंप में लाभान्वित दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ उनके स्पेशल टीचर्स और माता-पिता, अभिभावकों की उपस्थिति में उनसे संबंधित एड्स एंड अप्लायंसेज वितरित किए गए। इस मौके पर सहायक परियोजना समन्वयक आईडी विवेक अदलखा ने कैंप सुचारू रूप से कार्यान्वित किया। कैंप के दौरान जिले के स्पेशल अध्यापक भी उपस्थित रहे। एल्मिको से डॉक्टर तुषार चौधरी व उनकी टीम ने संबंधित दिव्यांगों को एड्स एंड एप्लायंसेज वितरित किए। दिव्यांग बच्चों को 10 रोलेटर, 24 हियरिंग एडस, 10 कैलिपर, 22 व्हील चेयर, 1 ट्राई व्हीलर साइकिल व 14सीपी व्हील चेयर वितरित किए गए। कैम्प के समापन के बाद जिला परियोजना संयोजक ने सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों, खंड परियोजना समन्वयकों, सभी कनिष्ठ अभियंता तथा सभी स्पेशल टीचर्स की असैसीबिलिटी ऑडिट बारे मीटिंग ली।

5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नामांकन पर दें विशेष ध्यान

चरखी दादरी। जिला में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के नामांकन पर विशेष ध्यान दें ताकि कोई भी बच्चा आधार कार्ड नामांकन से न छूटे। सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड में मोबाइल नंबर व दस्तावेज अपडेट रखें। दस्तावेज अपडेट सुविधा 14 जून तक निशुल्क है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नवजात और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नामांकित करने के लिए अस्पतालों और टीकाकरण केंद्रों में आधार शिविर आयोजित करें।

उन्होंने अधिकारियों को उचित कामकाज सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से आधार नामांकन केंद्रों का निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया।

सफलता के लिए आत्मविश्वास आवश्यक

- जर्नलिस्ट क्लब के सदस्यों ने मुलाकात कर लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। ज्ञानानंद महाराज से मिलते पत्रकार। फोटो : हरिभूमि

पत्रकारों का प्रमुख संगठन जर्नलिस्ट क्लब भिवानी का एक शिष्टमंडल गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज से मिला और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराज जी शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डाक्टर विनोद आंचल के निवास पर पधारे थे। इस मौके पर पत्रकारों के शिष्टमंडल से बातचीत में कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास का होना बहुत जरूरी है। आत्मविश्वास आदमी में तब आता है, जब वो धन और स्वार्थ के भाव का त्याग कर स्व से ऊपर सोचे। उन्होने कहा कि जीवन में व्यवहार भी बहुत मायने रखता है। व्यवहार मानव के प्रकृति और चरित्र को दर्शाता है। उन्होने वर्तमान हालातों पर भी चर्चा की। स्वामी ज्ञानानंद ने कहा की पहलगाम में हुआ आतंकी हमले के बाद भारत को पाकिस्तान के आतंकियों को मारना बहुत जरूरी था। उन आतंकियों ने निर्दोष लोगो की हत्या करके हमारी बहनों के सिंदूर को छीना था, ऐसे में जरूरी हो जाता है की देश फिर अपनी शक्तियों का प्रयोग करे और अब अपनी क्षमताओं को भारत दिखा भी रहा है। गीता मनीषी ने कहा की हमारा राष्ट्र किसी से कम नहीं है। उन्होंने कहा की वर्तमान में बेशक हालात ठीक नहीं है लेकिन राष्ट्र के लोगो को अपनी एकता दिखानी चाहिए। ऐसे में फिर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वीर बहादुर सिपाहियों ने अपने साहस का परिचय देते हुए हम पर आक्रमण करने वाली शक्तियों को तहस नहस करने के लिए कदम उठाने पड़े है। उन्होंने गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गीता हमें शांति और सद्भावना का संदेश देती है।

कर्तव्य पालन करें

महाराज ने कहा कि गीता के अंदर शांति और सद्भावना का संदेश है। उन्होंने कहा कि गीता में कहा गया गया है कि अर्जुन अपने कर्तव्य से पीछे हट जाता है, उस समय उसका कर्तव्य राष्ट्रीय स्वाभिमान व अपनी परंपराओं के सम्मान की रक्षा का होता है तो भगवान श्री कृष्ण भी कहते हैं कि तस्मात युद्धस्य भारत , हे अर्जुन उठ जाग और अपने कर्तव्य के लिए खड़ा हो। आज कि विकट परिस्थितियों को देखते हुए सभी को अर्जुन बनने की जरूरत है। इस समय राष्ट्र के समक्ष बड़ी चुनौतियां हैं।

महाराणा प्रताप को दी श्रद्धांजलि

- महाराणा ने कभी भी स्वाभिमान को नहीं छोड़ा : रेखा राघव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पूर्व पार्षद एवं भाजपा नेत्री रेखा राघव ने कहा कि महाराणा प्रताप ऐसे योद्धा हुए, जिन्होंने वीरता की नई परिभाषा लिखी थी। वीर योद्धा महाराणा प्रताप ने अपना स्वाभिमान बचाने के चलते मुगल शासकों के समक्ष कभी हार नहीं मानी। रेखा राघव शुक्रवार को स्थानीय राजपूत धर्मशाला में महाराणा प्रताप की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म महाराजा उदयसिंह एवं माता राणी जीवत कंवर के घर में हुआ था। उन्हें बचपन और युवावस्था में कीका नाम से भी पुकारा जाता था। ये नाम उन्हें भीलों से मिला था, जिनकी संगत में उन्होंने शुरुआती दिन बिताए थे। महाराणा प्रताप के पास चेतक नाम का एक घोड़ा था जो उन्हें सबसे प्रिय था। 1576 में हुए जबरदस्त युद्ध में करीब 20 हजार सैनिकों के साथ महाराणा प्रताप ने 80 हजार मुगल सैनिकों का सामना किया। इस युद्ध में प्रताप का घोड़ा चेतक जख्मी हो गया था। इस युद्ध के बाद मेवाड़, चित्तौड़, गोगुंडा, कुंभलगढ़ और उदयपुर पर मुगलों का कब्जा हो गया था, लेकिन महाराणा ने कभी भी स्वाभिमान को नहीं छोड़ा।

21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को दिव्यांग पेंशन देने का लिया निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- आवेदक का हरियाणा निवासी हो
- आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए
- वार्षिक आय तीन लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा 21 गंभीर बीमारियों से पीड़ित पात्र लोगों को दिव्यांग पेंशन उपलब्ध करवाने का फैसला लिया है। राज्य सरकार के इस निर्णय की जानकारी देते हुए उपायुक्त मुनीश शर्मा बताया कि आवेदक की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा वह हरियाणा का निवासी एवं आवेदन करते समय तीन वर्ष से हरियाणा में रह रहा हो। उन्होंने कहा है कि आवेदक की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय तीन लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा है कि सरकार द्वारा गत 3 मार्च 2025 को दिव्यांग पेंशन के लिए 21 बीमारियों को शामिल किया हैं। इनमें चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग, कुष्ठ रोग, मस्तिष्क पक्षाघात, मांसपेशीय दुर्विकास, अंधापन, कम दृष्टि, श्रवण दोष, वाणी और भाषा दिव्यांगता, बौद्धिक दिव्यांगता, विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, मानसिक बीमारी, दीर्घकालिक तंत्रिका संबंधी बीमारी, मल्टीपल स्कलेरोसिस, पार्किंसंस रोग, सिकल सेल रोग, बहु विकलांगता, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, एसिड अटैक पीड़ित एवं बौना आदि विकार शामिल हैं।

माताओं के लिए कार्ड सजाए

- श्रीराम पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

कान्हड़ा स्थित श्रीराम पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के लिए सुंदर-सुंदर कार्ड सजाए और भावपूर्ण कविताओं के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति प्रेम व सम्मान प्रकट किया। बच्चों का अपनी मां के प्रति अटूट प्रेम और श्रद्धा सराहनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की गतिविधि प्रभारी नीलम जाखड़ व सोनू थालौर की देखरेख में किया गया। प्राचार्य अमित जाखड़ ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं। उनका प्रेम निस्वार्थ होता है और उनके त्याग को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

श्रीमद् भागवत कथा

कथा स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण, राधा और रुक्मणी की भव्य झांकियां सजाई

भगवान का उपदेश व लीलाएं हमें धर्म, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की देती हैं प्रेरणा

विदुषी बेला पारीक वृंदावन ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के रोचक प्रसंग सुनाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, दादरी गेट स्थित पार्क में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का छठा दिन श्रद्धा, विश्वास, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। यह आयोजन समाज में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से किया जा रहा है।

कथा स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण, राधा और रुक्मणी की भव्य झांकियां सजाई गईं, जिन्हें देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भजन-कीर्तन और प्रवचनों से माहौल भक्तिमय बना रहा। कथा के छठे दिन विशेष रूप से भिवानी विधायक सर्राफ ने शिरकत की। उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कथा जीवन को दिशा देने वाली है। कथा व्यास विदुषी बेला पारीक वृंदावन ने कथा का वाचन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बाल लीलाओं, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा, रासलीला और गीता उपदेश जैसे प्रसंगों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के बहुआयामी व्यक्तित्व को श्रद्धालुओं के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे और कथा का रसपान किया।

भिवानी। पूजा अर्चना करके कथा शुरू करवाते विधायक घनश्याम सर्राफ।

सत्संग व सेवा का महत्व बताया

पूरे आयोजन में महंत चरण दास महाराज का विशेष सानिध्य प्राप्त हुआ, जिन्होंने सभी भक्तों को सत्संग व सेवा का महत्व बताया। श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव में हर दिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या इस बात का प्रमाण है कि समाज में धर्म और आध्यात्मिकता के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कथा स्थल पर पहुंचने की अपील की है ताकि वे इस पावन प्रसंग का लाभ ले सकें। इस अवसर पर कथा संयोजक रामअवतार शर्मा , डीपीएस निदेशक डॉ. आशा पाहुजा, सहयोगी महेश सरपंच,संगीता श्योराण, पारूल बंसल, शिक्षाविद राजेश मुखी,बालकिशन मलिक, शिशु भारती शिक्षण संस्थान से निदेशक कर्ण मिर्ग , शिक्षाविद डॉ. अमित डागर, कवयित्री अनीता नाथ, निदेशक सावित्री यादव, निदेशक संजीव श्योराण, रमेश शास्त्री, यतेन्द्र नाथ, मोतीलाल शर्मा, अमित धूपड़, मास्टर पवन कौशिक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूक करेगी वैन

चरखी दादरी। महिला एवम बाल विकास विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक जागरूकता वैन रैली का आयोजन किया जा रहा है। रैली जिला के कम लिंग अनुपात वाले गांवों में जाएगी। जागरूकता वैन को उपायुक्त मुनीश शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली का उद्देश्य लोगों को लड़की के महत्व और स्वस्थ लिंग अनुपात बनाए रखने की आवश्यकता के बारे में जागरूक करना है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का उद्देश्य लड़कियों के प्रति लोगों के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना और उनकी शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। जिला प्रशासन का उद्देश्य इस जागरूकता वैन रैली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुंचना और उन्हें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के लाभों के बारे में शिक्षित करना है। जागरूकता वन रैली पंचगांव, जीतपुरा, भारीवास, कारी टोखा, कारी सिरसली, खोरडा, ढाणी नान्धा आदि में जागरूक करेंगी।

सूचना

मैं, नरेश कुमार पुत्र श्री रतन लाल शर्मा निवासी गांव बलियाली तहसील बवानी खेड़ा, जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अंकित मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

भट्ठा मजदूरों व मालिकों में समझौता हुआ

भिवानी। लाल झंडा भट्ठा मजदूर यूनियन हरियाणा व भट्ठा मालिकान एसोशिएशन भिवानी के बीच श्रम समझौता अधिकारी मनीष कुमार व श्रम निरीक्षण रवि कुमार की मध्यस्थता में नए सीजन का समझौता हुआ। आज की समझौता वार्ता में लाल झंडा भट्ठा मजदूर यूनियन हरियाणा राज्य अध्यक्ष रोहतास गोठवाल, जिला प्रधान भीम सिंह, भट्ठा मालिकान एसोशिएशन भिवानी प्रधान सुकराम पाल व अन्य नेता शामिल हुए। समझौता वार्ता में सीजन 2025 के लिए पथेर, भराई 238 रुपए हजार, निकासी 215 रुपए हजार, रापसवाला 51 रुपए प्रति हजार, जलाईवाला 14000, लोडिंग अनलोडिंग 165 रुपए हजार समेत अन्य कटेग्रियों के नई दरों के हिसाब से समझौता हुआ।

स्टेट नेटबॉल के लिए ट्रायल 12 को

भिवानी। नेटबाल एसोसिएशन ऑफ भिवानी के प्रधान पवन ने बताया कि 18वीं सब जूनियर हरियाणा राज्य नेटबाल चैंपियनशिप की 4वीं सब-जूनियर फास्ट-5 हरियाणा राज्य नेटबाल चैंपियनशिप , दूसरी सब-जूनियर मिक्सड हरियाणा राज्य नेटबाल चैंपियनशिप का आयोजन 17 मई और 18 मई को सीबीएसएम स्पोर्ट्स स्कूल निडानी में होगी। चैंपियनशिप में भिवानी नेटबाल की टीम सभी चैंपियनशिप में दोनों वर्गों में भाग लेंगी। इस चैंपियनशिप के लिए ट्रायल/कैंप 12 मई 2025 को सुबह 10 बजें से गांव कलिंगा स्थित श्री बालाजी सीनियर सेकेंडरी में होंगे।

डॉग स्कवॉयड टीम के साथ चलाया ऑपरेशन

चरखी दादरी। भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध के हालातों को देखते हुए जिला पुलिस अलर्ट हो गई है। शहर के चारों तरफ नाकेबंदी कर वाहनों की जांच की जा रही है और संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ हो रही है। शुक्रवार को पुलिस, गुप्तचर विभाग व डॉग स्कवॉयड टीम ने सर्च अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस ने डॉग स्कवॉयड, सुरक्षा शाखा प्रबंधक व गुप्तचर विभाग के साथ शहर में विदेशी रोहिंग्या, बांग्लादेशी व कश्मीरी लोगों की तलाश की जा रही है।

रिजल्ट में जीरो नंबर देने पर भड़के छात्र, एनएसयूआई के नेतृत्व में नारेबाजी

सीबीएलयू के रिजल्ट में खामियों का आरोप विद्यार्थियों ने खून से पत्र लिख किया प्रदर्शन

छात्र बोले, रिजल्ट में खामियां हैं, गलत तरीके से किया जा रहा फेल, भविष्य हो रहा खराब: परीक्षा के बाद कई कई महीनों तक रिजल्ट नहीं किया जाता घोषित

भिवानी। खून से सीबीएलयू प्रशासन को पत्र लिखते हुए व प्रदर्शनकारियों को आश्वासन देते सीबीएलयू के अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए रिजल्ट पर एनएसयूआई के बैनर तले विद्यार्थियों ने सवाल उठाते हुए खून से पत्र व पोस्टर लिखे। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष मनजीत लांग्यान व विद्यार्थियों ने विरोध जताते हुए कहा कि रिजल्ट में खामियां हैं और गलत तरिके से विद्यार्थियों को फेल किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन पर काम ना करने के आरोप लगाते हुए कार्यालय के बाहर पोस्टर भी लगाए। एनएसयूआई के जिला प्रधान मंजीत लांग्यान ने बताया कि चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय द्वारा 2 दिन पहले प्रथम वर्ष का रिजल्ट का जारी किया था। पहले जो रिजल्ट जारी किया जाता था, उसमें जिस विद्यार्थी को 100 में से 40 नंबर होते थे, उसे पास कर दिया जाता। लेकिन अब जिस विद्यार्थी को 50-55 नंबर हैं, तो उसे भी रि-अपीयर दे रखा है। केवल 10 प्रतिशत बच्चों को ही पास किया गया है। पहले भी सीबीएलयू प्रशासन को अवगत करवाया था कि जो रिजल्ट ब्रांच है, वह खराब है। बच्चों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विरोध स्वरूप आज खून से पोस्टर व पत्र लिखे हैं। सीबीएलयू में डिग्री व डीएमसी भी समय पर नहीं मिलती। जिसके कारण घरवालों से भी डांट सुननी पड़ती है। यहां तक कि विद्यार्थियों को रहने के लिए होस्टल की सुविधा भी नहीं है और छात्र-छात्राएं काफी दूर से आती हैं। यहां आने के लिए बस की सुविधा भी नहीं है। सीबीएलयू प्रशासन तानाशाही चलाना चाहता है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और यूनिवर्सिटी प्रशासन का कॉलेज के प्रशासन से कोई तालमेल नहीं बैठ रहा है उन्होंने कहा कि अगर बच्चों की समस्याओं को जल्दी ठीक नहीं करवाया गया तो वह मई महीने में एक बड़ा प्रदर्शन कर भूख हड़ताल शुरू कर देंगे।

अधिकारियों से भी मिले, लेकिन कोई समाधान नहीं

महिला कॉलेज बवानीखेड़ा की छात्रा पलकी ने बताया कि वे रि-अपीयर के फार्म के लिए यहां आई थी। एक ही सब्जेक्ट में रि-अपीयर दिया जा रहा है। यहां तक कि अनुपस्थित दिखाया जा रहा है। किसी को 2 नंबर से तो किसी को 4 नंबर से फेल किया जा रहा है। सीबीएलयू प्रशासन द्वारा समय-समय पर बच्चों से किसी-न-किसी बहाने से पैसे मांगते रहते हैं। बच्चे पैसे कहां से लेकर आएं। पूरी सीट भरने के बाद भी जीरो नंबर दिए जा रहे हैं। अधिकारियों से भी मिले, लेकिन समय ही देकर भेज देते हैं। समाधान नहीं हो रहा। रि-अपीयर के फार्म भरने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीएमसी समय पर नहीं आती है और यहां आने-जाने की भी कोई व्यवस्था नहीं है। वैश्य कॉलेज से बीए प्रथम वर्ष के छात्र दीपक ने कहा कि 10 में से 5 सब्जेक्ट में रि-अपीयर दे रखा है। 25 सीट भरने के बाद भी जीरो-जीरो नंबर आ रहे हैं।

स्कूल में छात्रों ने माताओं के प्रति प्रेम को दर्शाया

- मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण संतान के लिए हमेशा रहा विराट : भारद्वाज
- दि ऑकवुड स्कूल में मनाया गया मातृ दिवस व महाराणा प्रताप जयंती

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में ग्रीटिंग कार्ड बनाते बच्चे। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

मां बच्चों की प्रथम गुरु होती है तथा बच्चों के लिए संपूर्ण संसार के रूप में उनके विकास में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिए इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। यह बात सैक्टर-13 स्थित दि ऑकवुड स्कूल में प्राचार्य सज्जन भारद्वाज ने मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान विद्यालय में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती भी मनाई गई तथा विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के शौर्य व पराक्रम से अवगत करवाकर उन्हे राष्ट्र हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आगाज विद्यालय निदेशक दिनेश सिंह प्रबंध समिति सदस्य विक्रम राणा व मानवेंद्र सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस मौके पर कक्षा प्रथम, द्वितीय व तृतीय के सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर मातृ दिवस पर अपनी भावांजलि प्रस्तुत की। सभी कक्षाओं में ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया तथा सभी ग्रीटिंग कार्ड बच्चों को अपनी मां को समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अध्यापिका अंजू ने बेहद सुंदर कविता तथा आचार्य प्रमिला ने एक बेहद सुंदर गीत सुना कर माहौल को बेहद भावनात्मक बना दिया। इसके साथ ही भावी, गरिमा, हिमांशी, ख्वाहिश, परी, हंसवी, महक, दीक्षा, श्रेया आदि अनेक बच्चों ने मां के जीवन से जुड़ी अनेक प्रेरणादायक प्रस्तुतियां दी। महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पांजलि समर्पित करने तत्पश्चात अध्यापिका रेनू बाला ने महाराणा प्रताप के महान चरित्र पर प्रकाश डाला।

कविता पाठ प्रतियोगिता करके मनाई जयंती

- हलवासिया विद्या विहार में पुरुषोत्तम दास हलवासिया की स्मृति में कार्यक्रम किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित बच्चे व शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

हलवासिया विद्या विहार में अंतर्विद्यालय हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय अधिष्ठाता स्वर्गीय पुरुषोत्तम दास हलवासिया की स्मृति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बंसीलाल विश्वविद्यालय से रजिस्ट्रार डॉ. भावना शर्मा पधारी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रशासक डॉ. शमशेर सिंह अहलावत के द्वारा की गई। विद्यालय प्रशासन व अतिथियों के द्वारा मा. सरस्वती एवं स्वर्गीय पुरुषोत्तम दास हलवासिया की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, पुष्पार्पण व वंदना के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। संगीताचार्य हरिश्चंद्र के नेतृत्व में विद्यालय की छात्राओं ने सामूहिक गान की सुंदर प्रस्तुति देकर आए हुए गणमान्य अतिथियों का स्वागत सत्कार किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय प्रशासन द्वारा मुख्य अतिथि व सम्मानित अतिथियों को ओम पट्टिका पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में आठवीं कक्षा की छात्रा यशी ने महाराणा प्रताप की वीरता पर कविता और छात्रा गुंजन ने अपने ओजस्वी स्वर में उस महान वीर योद्धा पर भाषण प्रस्तुत किया। तदुपरांत छात्रा तनु व रुद्रा के द्वारा गणेश वंदना पर शानदार नृत्य प्रस्तुत करके कविता वाचन प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। प्रतियोगिता बाल वर्ग ,किशोर वर्ग और तरुण वर्गों में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में 18 विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सर्वप्रथम डॉ. नीलम चराया ने अपनी सुमधुर आवाज में सीमा पर तैनात भारतीय वीरों को नमन करते हुए देशभक्ति पूर्ण कविता का वाचन किया। तदुपरांत प्रतिभागियों ने कविताएं सुनाई।

नियति ने प्रथम स्थान पाया

बाल वर्ग में वैश्य मॉडल स्कूल से नियति ने प्रथम, हलवासिया विद्या विहार से आयशा ने द्वितीय, पब्लिक स्कूल बाल भवन से मोक्षिल ने तृतीय स्थान व शिशु भारती हाई स्कूल से शौर्य व डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल से परी ने संयुक्त रूप से प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। किशोर वर्ग में के.एम. पब्लिक स्कूल से काशवी सिंह ने प्रथम, आनंद स्कूल आफ एक्सीलेंस से भावना ने द्वितीय तथा हलवासिया विद्या विहार से भाविका ने तृतीय स्थान तथा जन सेवा विद्या विहार से दीपांशी व दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल से जयदीप ने संयुक्त रूप से प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

स्कूल में धूमधाम से मनाया मातृ दिवस

- बुशान के बाबा मुंगीपा विद्यापीठ विद्यालय में कार्यक्रम
- बच्चों ने दी भावुक प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

तोशाम। स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती देती प्रतिभागी। *फोटो : हरिभूमि*

शुक्रवार को गांव बुशान के बाबा मुंगीपा विद्यापीठ वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में मातृ दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने माता के सम्मान में विभिन्न प्रस्तुतियां दी। इस कार्यक्रम में उपस्थित माताओं ने भी नृत्य, गायन आदि विभिन्न प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ डॉ. नरेश जांगड़ा ने उपस्थित माता का अभिनंदन किया तथा मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी। वहीं विद्यालय प्राचार्य प्रमोद दीक्षित व विद्यालय प्रबंधन कमेटी के सदस्य डॉक्टर नरेश जांगड़ा जयभगवान तायल व सुशील शर्मा ने सभी माता को पारितोषिक देकर सम्मानित किया तथा मातृ दिवस पर उपस्थित होने के लिए धन्यवाद किया। इस दौरान उपस्थित माताएं तथा बच्चे बहुत ही उत्साहित दिखाई दिए। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों सहित अनेक विद्यार्थी मौजूद रहे।

चोरी के पांच आरोपित पकड़े, ढाई किलो सोना मिला

- दादरी मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा से 2 मई की रात चोरी हुए 6 किलो गोल्ड और 14 लाख रुपये चोरी करने का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

चरखी दादरी। पुलिस हिरासत में चोरी के आरोपी। *फोटो : हरिभूमि*

दादरी मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा से 2 मई की रात चोरी हुए 6 किलो गोल्ड और 14 लाख रूपये कैश मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी पूर्व ब्रांच हैड विजय के साले किरण को चार दिन पहले गिरफ्तार कर लिया था। उसने उसने चार दिन के रिमांड अवधि में रोहतक से 2 किलो 631 ग्राम गोल्ड बरामद कर लिया है। वहीं मामले में प्रयोग की गई गाड़ी को भी बरामद किया गया है। पुलिस प्रवक्ता योगेश कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस ने चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दादरी ब्रांच मैनेजर प्रयास खत्री, गोहाना निवासी प्रिंस, रोहतक निवासी मोहित और भिवानी के घुसखानी गांव निवासी अमरजीत को गिरफ्तार किया गया है। इन चारों को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं आरोपी किरण कुमार को रिमांड अवधि पूरी होने पर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। चोरों ने मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा में 2 मई की रात को 6 किलो सोना और 14 लाख कैश चोरी किया था। चोरों ने केवल शटर का ताला तोड़ा गया था बाकी अंदर लॉकर चाबी से खोले गए थे।

जिसके बाद पुलिस की शक की सुई बैंक कर्मचारियों और पूर्व कर्मचारियों की तरफ घुम गई थी। लंबी जांच के बाद शाखा के सुरक्षा स्टेट हेड की शिकायत पर पूर्व शाखा प्रभारी व पांच कर्मचारियों पर मामला दर्ज किया था।

पूर्व ब्रांच हैड का साला निकाला मुख्य आरोपी

मणप्पुरम गोल्ड लोन शाखा में चोरी का मास्टर माइंड पूर्व ब्रांच हैड विजय का साला किरण निकला। जिसकी निशानदेही से 2 किलो 631 ग्राम सोना बरामद किया है। जिस साजिश में ब्रांच मैनेजर प्रयास खत्री सहित अन्य कर्मचारी भी मिले हुए थे।

भजनों से किया बाबा की महिमा का गुणगान

- गांव नरसिंह वास स्थित बाबा जमना गिरी मंदिर में बैसाख शुक्ल पक्ष द्वादशी पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

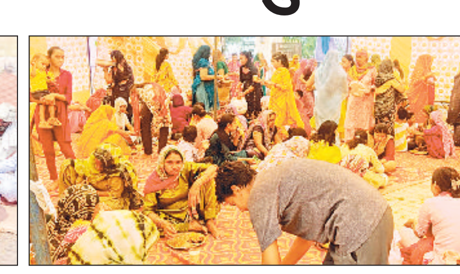

गांव नरसिंह वास स्थित बाबा जमना गिरी मंदिर परिसर में बैसाख शुक्ल पक्ष द्वादशी को हर वर्ष आायोजित किए जाने वाले धार्मिक आयोजन के तहत इस साल भी रात्रि जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजन के दौरान श्री श्री 1008 श्री महंत बाबा पृथी गिरी जी महाराज पिठाधीश्वर बालक गद्दी के शिष्य बाबा जमना गिरी डेरा नरसिंह वास महंत बाबा अभय गिरी महाराज का सानिध्य रहा। धार्मिक आयोजन का शुभारंभ हवन व यज्ञ से किया गया। इसमें नरसिंह वास सहित आसपास के गांवों से आए हुए मौजिज ग्रामीणों व दूर दराज से आए हुए संतों द्वारा पूर्ण आहुति अर्पित करते हुए विश्व शांति व कल्याण की कामना की गई। इसके साथ ही हमारे राष्ट्र द्वारा पड़ोसी देश के आंतक के खिलाफ की जा रही कार्यवाही को परमात्मा द्वारा अपना आशीर्वाद व शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की गई। इसके उपरांत भंडारे का आयोजन सर्व प्रथम कन्या भोज के साथ किया गया। इसके उपरांत दूर दराज से आए हुए साधु संतों ने प्रसाद ग्रहण किया। महंत बाबा अभय गिरी महाराज द्वारा सभी को प्रसाद ग्रहण के उपरांत मौजिज ग्रामीणों व मंदिर कमेटी के सहयोग से यथोचित दक्षिणा व अन्य सामग्री भेंटकी गई। इससे पहले आयोजित रात्रि जागरण के दौरान लोक गायक राजेश थुरानियां व सहयोगियों द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान भजनों के साथ किया गया।

ये संत रहे मौजूद

इस दौरान बाबा तुफान गिरी, बाबा रिषि गिरी, बाबा विजय गिरी, बाबा विनय गिरी, बाबा गोपाल गिरी, बाबा नरेंद्र गिरी, बाबा पटक नाथ, बाबा धुणी नाथ, बाबा ईंद्र गिरी, बाबा सुखदेव गिरी बाबा चांदी गिरी महाराज, महंत बाबा शुक्र गिरी स्थान मंढाण सहित अनेक साधु संत व सभी ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के दौरान बनाए पोस्टर दिखाते विद्यार्थी।

बीआर आदर्श स्कूल में मदर्स डे धूमधाम से मनाया गया

चरखी दादरी। बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिरही कलां में मदर्स डे पर चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के छात्रों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें बच्चों ने रंगों के माध्यम से मां के प्रति अपने प्यार को प्रदर्शित किया। तीसरी से पांचवी कक्षा तक के छात्रों ने कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया और सुंदर तथा रचनात्मक कार्ड बनाकर मां के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। छठी से दसवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें छात्रों ने समाज में मां के योगदान और महत्व को दर्शाते हुए प्रभावशाली पोस्टर बनाए। स्कूल के बच्चों ने जिस उत्साह और रचनात्मकता के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, वह दर्शाता है कि वे मां के महत्व को समझते हैं।

महाराणा प्रताप के जीवन से शिक्षा लेकर आगे बढ़ें : राहुल राणा

महाराणा प्रताप की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। आयोजित जयंती पर सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शुक्रवार को गाजे बाजे के साथ शहर में महाराणा प्रताप की जयंती पर शौभायात्रा निकाली। विभिन्न समाज के लोगों ने महाराणा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके जीवन से शिक्षा लेकर चलने का आहवान किया। इस दौरान देश की सीमा पर जवानों के हौसला अफजाई के लिए हिंदूस्तान जिंदाबाद व पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। सर्व समाज द्वारा आयोजित महाराणा प्रताप जयंती धूमधाम से मनाई गई। जयंती समारोह के संयोजक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राहुल राणा रहे। कार्यक्रम आयोजक राहुल राणा ने युवाओं से महाराणा प्रताप के जीवन से शिक्षा लेकर चलने का आहवान किया। साथ ही राहुल राणा ने देश की सीमा पर डटे सैनिकों के हौसला अफजाई के लिए जिंदाबाद के नारे लगाए। मंच संचालन दीपा तंवर व नीटू शेखावत ने संयुक्त रूप से किया।

शहर के विभिन्न समाज के लोगों ने राहुल राणा की अगुवाई में रोहतक गेट स्थित राजपूत धर्मशाला में महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उसके बाद शहर के विभिन्न मार्गो से शौभायात्रा निकाली गई। इस दौरान शहर व आसपास स्थित अनेक गांवों के युवा शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में महाराणा प्रताप के जीवन से शिक्षा व प्ररेणा चलने की शपथ ली और कहा कि उनके जीवन से शिक्षा लेकर चलने वाले व्यक्ति को जीवन में कभी भी हार नहीं होती। इस दौरान लाल सिंह, ओमबीर सिंह तंवर,नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, कंवर बीर सिंह, मदन यादव, नीटू शेखावत,दीपा तंवर,भरत सिंह परमार, चंद्र पाल चोहान,बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप सिंह, पार्षद सूर्या तंवर, सुभाष तंवर, दीपक, पार्षद नरेंद्र चौहान, राहुल मुंढाल, रेखा राघव, संदीप यादव, शिव कुमार गोठवाल, दीपा तंवर,नीलम अग्रवाल, इंदू परमार के अलावा अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महापुरुष किसी एक समुदाय के नहीं

लाल सिंह तवंर व नीलम अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि महापुरुष किसी एक समाज व समुदाय के नहीं होते। वे हर समाज व वर्ग की भलाई के लिए कार्य करते है। महाराणा प्रताप ऐसे योद्धा हुए, जिन्होंने वीरता की नई परिभाषा लिखी थी। वीर योद्धा महाराणा प्रताप ने अपना स्वाभिमान बचाने के चलते मुगल शासकों के समक्ष कभी हार नहीं मानी। महाराणा प्रताप का जन्म महाराजा उदयसिंह एवं माता राणी जीवत कंवर के घर में हुआ था। उन्होंने 1576 में हुए जबरदस्त युद्ध में करीब 20 हजार सैनिकों के साथ महाराणा प्रताप ने 80 हजार मुगल सैनिकों का सामना किया। मुगलों को युद्ध में धूल चटाई। उन्होंने कहा कि युवाओं को महाराणा प्रताप जैसे महापुरूषों के जीवन से संघर्ष एवं बलिदान की प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने अपने देश व स्वाभिमान के चलते किसी के समक्ष हार नहीं मानी तथा पूरा जीवन संघर्ष में बिता दिया।

डॉ. आर. पी. शर्मा अस्पताल
सिविल अस्पताल से रिटायर्ड सीनियर सर्जन
सभी आप्रेशन एवं नार्मल डिलीवरी सबसे सस्ते रेट में किए जाते हैं।
सभी आप्रेशन बिना टाँके के भी किए जाते हैं।
कॉपर-टी की सुविधा उपलब्ध है।
गर्भवती महिलाओं के लिए OPD फीस फ्री
पता : मिनी बाईपास रोड़, CR Resort के सामने, भिवानी
सम्पर्क सूत्र : 9416296903, 8168362612